इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर पियाजियो ने नया ऐप वेव किया लान्च

नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर सेगमेंट में एक और कदम बढ़ाते हुए पियाजियो कंपनी ने अपने पैसेंजर इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो में नया ऐप वेव (एपे वेव) लान्च किया है। कंपनी ने इसे एल3 पैसेंजर ईवी कैटेगरी में उतारा है, जिसकी भारतीय बाजार में एक्स-शोरूम कीमत 2.55 लाख रुपये रखी गई है।

पियाजियो ऐप वेव को मुख्य रूप से शहरी इलाकों में यात्रियों को लाने-ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। दमदार परफार्मेंस के लिए इसमें 5.4 किलोवाट-घंटा का बड़ा बैटरी पैक दिया गया है। इसका इलेक्ट्रिक मोटर 3 किलोवाट की पीक पावर और 25 न्यूटन-मीटर का टार्क जनरेट करता है। शहर के ट्रैफिक के अनुकूल, इसकी टाप स्पीड 40 किलोमीटर प्रति घंटा रखी गई है। कंपनी का दावा है कि यह गाड़ी सिंगल चार्ज में 90 किलोमीटर की वास्तविक दुनिया की रेंज प्रदान करती है, और इसकी बैटरी मात्र 4.5 घंटे में पूरी तरह चार्ज हो जाती है। रास्तों की चुनौतियों से निपटने के लिए, इस थ्री-व्हीलर में कई खास खूबियां जोड़ी गई हैं। इसमें 19 प्रतिशत की ग्रेडेबिलिटी (चढ़ाव पर चढ़ने की क्षमता) दी गई है, और इसे फुल-मेटल बाडी व मोनोकाक आर्किटेक्चर पर बनाया गया है, जो वाणिज्यिक उपयोग के लिए इसे काफी टिकाऊ बनाता है। सवारी के आराम के लिए, इसमें एक विशेष सस्पेंशन सेटअप भी दिया गया है, जो सफर के दौरान झटकों को सोख लेता है। खराब और ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर आसानी से चलने के लिए, इस इलेक्ट्रिक आटो में 180 मिलीमीटर का शानदार ग्राउंड क्लीयरेंस दिया गया है। इसके अंदर ड्राइवर और यात्रियों के लिए काफी खुला और बड़ा केबिन मिलता है, जिससे रोज का सफर आरामदायक हो जाता है। फ्लीट आपरेटर्स और आटो चालकों के लिए यह गाड़ी पैसे की बड़ी बचत कराने वाली है, क्योंकि बिजली से चलने के कारण इसका दैनिक रनिंग कास्ट पेट्रोल-डीजल के मुकाबले ना के बराबर है। पियाजियो के चेयरमैन और एमडी डिएगो ग्राफी ने लान्चिंग के अवसर पर कहा कि, भारत में इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर मार्केट तेजी से बदल रहा है। ग्राहक अब ऐसा भरोसेमंद विकल्प चाहते हैं जो किफायती हो और कमाई भी ज्यादा कराए। ऐप वेव को चालकों की इन्हीं जरूरतों, सुरक्षा और कम खर्च को ध्यान में रखकर बनाया गया है, और इसे एल3 कैटेगरी की कीमत में महंगी एल5 कैटेगरी जैसा आराम, भरोसा और ड्राइविंग एक्सपीरियंस देने के लिए तैयार किया गया है। कम कीमत और बेहतर रेंज के साथ, यह नया इलेक्ट्रिक आटो शहरी इलाकों में कमाई का एक बेहतरीन जरिया बनने के लिए तैयार है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका-ईरान टकराव के बीच ब्रेंट 79 डालर के पार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने का असर कच्चे तेल की कीमतों पर देखने को मिला है। सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल करीब 4 फीसदी उछल गया। ब्रेंट क्रूड 79 डालर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 74 डालर प्रति बैरल के पार कारोबार करता दिखा। हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम शांति समझौते के बाद तेल की कीमतों में कुछ गिरावट आई थी। लेकिन नए सैन्य तनाव ने उस राहत को खत्म कर दिया। अब दोनों देशों के बीच बातचीत की संभावना भी कमजोर पड़ गई है। ईरान ने कहा है कि बातचीत आगे बढ़ाने से पहले होर्मुज जलडमरूमध्य और तेल निर्यात से जुड़े मुद्दों पर प्रगति जरूरी है। सोमवार सुबह ब्रेंट क्रूड करीब 3.93 फीसदी बढ़कर 79 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड भी करीब 3.98 फीसदी की तेजी के साथ 74.25 डालर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। दूसरी ओर, अमेरिकी प्राकृतिक गैस की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। अमेरिका में प्राकृतिक गैस की कीमतें गिरकर 2.90 डालर प्रति एमएमबीटीयू पर आ गई हैं, जो पिछले सात हफ्तों का सबसे निचला स्तर है। इसकी मुख्य वजह आने वाले दिनों में मौसम के ठंडा रहने का अनुमान है, जिससे एयर कंडीशनिंग की मांग घट सकती है और गैस से बनने वाली बिजली की खपत कम होने की उम्मीद है। इसके अलावा, फ्रीपोर्ट एलएनजी ने 10 जुलाई से अगस्त के आखिर तक अपने प्लांट में रखरखाव (मेंटेनेंस) का काम शुरू किया है, जिससे अस्थायी रूप से गैस की खपत घटेगी। वहीं अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के ताजा आंकड़ों के अनुसार 3 जुलाई तक देश में प्राकृतिक गैस का भंडार पिछले पांच साल के औसत से 6.6 फीसदी अधिक है। पर्याप्त सप्लाई और कमजोर मांग की संभावना के चलते प्राकृतिक गैस की कीमतों पर दबाव बना हुआ है।

चालू महीने में लान्च होगी कई नई और दमदार एसयूवी

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में जुलाई 2026 में कई नई और दमदार एसयूवी लान्च होने जा रही हैं। इन एसयूवी में पेट्रोल, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन माडल शामिल हैं, जिन्हें मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, निसान, होंडा, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया और स्कोडा जैसी कंपनियां विभिन्न सेगमेंट में पेश करने की तैयारी में हैं। मारुति सुजुकी अपनी लोकप्रिय काम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा का फेसलिफ्ट माडल जुलाई में लान्च कर सकती है। इसमें डिजाइन, फीचर्स और इंजन में बदलाव की उम्मीद है, जिसमें 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन एक नया विकल्प हो सकता है। यह हुंडई वेन्यू और टाटा नेक्सन जैसी कारों को टक्कर देगी। निसान की नई मिड-साइज एसयूवी टेक्टान जिसका सीधा मुकाबला हुंडई क्रेटा और मारुति ग्रैंड विटारा जैसी एसयूवी से हो रहा हैं। इसमें 1.0 लीटर और 1.3 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के विकल्प मिलेंगे। टाटा मोटर्स की बहुप्रतीक्षित सिएरा ईवी भी जुलाई से सितंबर के बीच लान्च हो सकती है। यह एक्टी.ईवी प्लस प्लेटफार्म पर आधारित होगी और इसमें लगभग 55 किलोवाट-घंटा और 65 किलोवाट-घंटा क्षमता वाले बैटरी पैक के साथ रियर-व्हील ड्राइव और आल-व्हील ड्राइव दोनों विकल्प उपलब्ध होंगे। होंडा ने अपनी नई जेडआर-वी की बुकिंग शुरू कर दी है और जुलाई में इसकी डिलीवरी शुरू होने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन तय करने की प्रक्रिया शुरू, अब राज्य नहीं दे पाएंगे इससे कम वेतन

नई दिल्ली। श्रम मंत्रालय ने सांविधिक राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन (फ्लोर वेज) तय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जानकारों के मुताबिक वेतन संहिता के अंतर्गत न्यूनतम वेतन तय किया जाएगा। अधिकारियों का समूह गणना के तरीके और खपत बास्केट पर काम कर रहा है और केंद्र सरकार केंद्रीय सलाहकार बोर्ड (सीएबी) बनाएगी। सीएबी राष्ट्रीय स्तर पर न्यूनतम वेतन की सिफारिश करने से पहले बातचीत करेगा। यह एक बार अधिसूचित होने के बाद न्यूनतम सीमा के लिए कानूनी बाध्यता होगी और राज्य व केंद्र शासित प्रदेश इस निर्धारित सीमा से कम वेतन तय नहीं कर पाएंगे। लोगों ने बताया कि यह तकनीकी प्रक्रिया एस. पी. विशेषज्ञ समूह के तैयार अनुमानों पर आधारित होगी। इस क्रम में खपत बास्केट को नए सिरे से बनाने के बजाए महंगाई के हिसाब से संशोधित किए जाने की संभावना है।

एप्पल ने दायर कराया ओपनएआई पर मुकदमा, तकनीकी चुराने का है आरोप

नई दिल्ली

एआई फर्म ओपनएआई और उसके मुख्य हार्डवेयर अधिकारी, टैंग टैन के खिलाफ एप्पल कंपनी ने कैलिफोर्निया के नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में मुकदमा दायर किया है। दिग्गज टेक कंपनी एप्पल का आरोप है कि ओपनएआई ने सुनियोजित तरीके से उसके आगामी उत्पादों से जुड़ी गोपनीय जानकारी, डिजाइन और तकनीकी दस्तावेजों को हासिल करने का प्रयास किया।

मुकदमे में यह दावा किया गया है कि टैंग टैन, जो पहले एप्पल में प्रोडक्ट डिजाइन के उपाध्यक्ष रह चुके हैं और उन्होंने आईफोन, एप्पल वाच, एयरपाड्स सहित कई प्रमुख हार्डवेयर उत्पादों का नेतृत्व किया था, उन्होंने नौकरी के इंटरव्यू के दौरान एप्पल के कर्मचारियों को कंपनी के आने वाले उत्पादों से संबंधित जानकारी, कंपोनेंट्स, ड्राइंग और अन्य गोपनीय सामग्री साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। एप्पल ने अपनी शिकायत में पूर्व आईफोन हार्डवेयर इंजीनियर चांग लियू का भी नाम लिया है।

कंपनी का आरोप है कि चांग लियू ने ओपनएआई के लिए हार्डवेयर विकसित करने की प्रक्रिया के दौरान गैरकानूनी रूप से एप्पल की दर्जनों गोपनीय हार्डवेयर फाइलों तक पहुँच बनाई। इन फाइलों में ऐसे उत्पादों से जुड़ी विस्तृत तकनीकी जानकारी और इंजीनियरिंग प्रेजेंटेशन शामिल थे, जो अभी तक लान्च नहीं हुए हैं। इसके अतिरिक्त, एप्पल ने यह भी आरोप लगाया कि ओपनएआई ने अपने कई कर्मचारियों को यह सलाह दी कि वे कंपनी छोड़ते समय इस प्रकार से कदम उठाएं, जिससे गोपनीय फाइलों तक उनकी पहुँच बनी रहे, जो कार्पोरेट गोपनीयता समझौतों का उल्लंघन है। हालांकि, ओपनएआई ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। कंपनी ने एक बयान में कहा है कि उसे किसी अन्य कंपनी के व्यापारिक रहस्यों में कोई दिलचस्पी नहीं है और वह ऐसी नई तकनीक विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है जो दुनिया भर के लोगों को सशक्त बना सके।

यह ध्यान देने योग्य है कि हाल के वर्षों में एप्पल और ओपनएआई के बीच एक करीबी साझेदारी रही है, जिसमें ओपनएआई ने एप्पल इंटेलिजेंस प्लेटफार्म और सिरी डिजिटल असिस्टेंट के लिए महत्वपूर्ण तकनीक प्रदान की थी। फिर भी, पिछले एक साल में दोनों कंपनियों के रिश्तों में तनाव बढ़ गया है, जिसकी एक वजह ओपनएआई द्वारा एप्पल के पूर्व चर्चित डिजाइन प्रमुख जानी इवे को नए डिवाइस विकसित करने के लिए अपने साथ जोड़ना भी बताया गया है। मुकदमे में एप्पल ने यह भी दावा किया है कि ओपनएआई ने अपने प्रस्तावित आईपीओ से कुछ महीने पहले एप्पल के लगभग 400 कर्मचारियों को अपने साथ जोड़ लिया। एप्पल का आरोप है कि तकनीकी स्टाफ से लेकर मुख्य हार्डवेयर अधिकारी तक, हर स्तर पर ओपनएआई ने अपने व्यावसायिक सहयोगियों के साथ मिलकर एप्पल के व्यापारिक रहस्य और गोपनीय जानकारी हासिल करने की कोशिश की।

इस सप्ताह निवेशक तीन नए आईपीओ में निवेश कर सकेंगे

नई दिल्ली। इस सप्ताह शेयर बाजार में निवेशकों के सामने तीन नए आईपीओ में निवेश का अवसर होगा, जिनका कुल आकार 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। इनमें एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट, अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड और मिलवर्क्स टेक्नोलाजी के आईपीओ शामिल हैं। पहले दो इश्यू मेनबोर्ड श्रेणी के हैं, जबकि मिलवर्क्स टेक्नोलाजी का आईपीओ एसएमई प्लेटफार्म पर आएगा। निवेशक अपनी रणनीति और जोखिम क्षमता के अनुसार इनमें से किसी एक या सभी इश्यू में आवेदन कर सकते हैं। इस सप्ताह का सबसे बड़ा आईपीओ एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का है। भारतीय स्टेट बैंक और फ्रांस की परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी अमुंडी के संयुक्त उपक्रम की यह कंपनी आईपीओ के माध्यम से 9,812.91 करोड़ रुपये जुटाने जा रही है। इसके लिए प्रति शेयर 545 से 574 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है। यह आफर फार सेल आधारित इश्यू है, इसलिए इससे प्राप्त राशि कंपनी के बजाय अपने शेयर बेच रहे प्रवर्तकों को मिलेगी। इस इश्यू के तहत भारतीय स्टेट बैंक लगभग 4.88 प्रतिशत और अमुंडी करीब 3.51 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेंगे। दूसरा मेनबोर्ड आईपीओ गुजरात की टेक्सटाइल कंपनी अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड का है। कंपनी 126.25 करोड़ रुपये जुटाएगी और इसके लिए 100 से 105 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा निर्धारित किया गया है। यह पूरी तरह फ्रेश इश्यू है।

इलेक्ट्रिक कार विंडसर ईवी ने की रिकार्ड बिक्री

नई दिल्ली

भारतीय आटोमोबाइल बाजार में जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की लोकप्रिय इलेक्ट्रिक कार विंडसर ईवी ने एक नया बिक्री कीर्तिमान स्थापित किया है। इस माडल ने बाजार में लान्च होने के दो वर्ष से भी कम समय में 75,000 से अधिक ग्राहकों तक पहुंच बनाते हुए यह महत्वपूर्ण आंकड़ा हासिल कर लिया है। कंपनी के अनुसार, इस उपलब्धि के साथ, विंडसर ईवी देश के विद्युत चालित चारपहिया वाहन खंड में सबसे अधिक बिकने वाली गाड़ियों में शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ बनाए हुए है। वर्ष 2026 की पहली छमाही भी विंडसर ईवी के लिए बेहद सफल रही, जिसमें जनवरी से जून के बीच 19,000 से अधिक इकाइयों की बिक्री दर्ज की गई।

विंडसर ईवी के अलावा, कामेट और जेडएस ईवी जैसे अन्य माडलों की मजबूत मांग के कारण कंपनी ने इस अवधि में सालाना आधार पर लगभग 13 प्रतिशत की कुल वृद्धि हासिल की है। विंडसर ईवी की सफलता के पीछे कंपनी की विशिष्ट उत्पाद रणनीति को मुख्य वजह बताया जा रहा है।

इस वाहन को ऐसी आकर्षक कीमत पर पेश किया गया है जो छोटे वर्ग की कारों के खरीदारों को लुभाती है, जबकि इसका बाहरी आकार मध्यम श्रेणी की गाड़ियों जैसा है और अंदर बैठने की जगह बड़े वर्ग के वाहन जैसी मिलती है। इसी कारण यह वाहन उन परिवारों के बीच तेजी से लोकप्रिय हुआ है जो किफायती कीमत में अधिक जगह और बेहतर सुविधाएं चाहते हैं।

कंपनी अब इस माडल में स्थानीय रूप से तैयार होने वाले पुर्जों की हिस्सेदारी बढ़ाने पर भी काम कर रही है, जिसका लक्ष्य इसे लगभग 70 प्रतिशत तक पहुंचाना है। विंडसर ईवी को एक विशेष बैटरी किराया योजना के साथ भी खरीदा जा सकता है, जिसके तहत इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 9.99 लाख रुपये है, जबकि बैटरी उपयोग के लिए प्रति किलोमीटर निर्धारित शुल्क देना होता है। यह वाहन दो बैटरी विकल्पों में उपलब्ध है: पहला 38 किलोवाट-घंटा क्षमता वाला बैटरी पैक, जो एक बार चार्ज होने पर लगभग 332 किलोमीटर की दूरी तय करता है।

और दूसरा 52.9 किलोवाट-घंटा क्षमता वाला बड़ा बैटरी पैक, जो उच्च संस्करणों में मिलता है और लगभग 449 किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने बनाया रोबोटिक्स बिजनेस सेंटर

सियोल। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने रोबोटिक्स कारोबार को गति देने के लिए नया रोबोटिक्स बिजनेस सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है। 1 जुलाई 2026 से प्रभावी यह केंद्र सीधे कंपनी के सीईओ ल्यू जे-चेओल को रिपोर्ट करेगा। इसका उद्देश्य व्यवसाय विकास, आपूर्ति श्रृंखला, विनिर्माण और बिक्री सहित रोबोटिक्स से जुड़े सभी कार्यों को एकीकृत करना है।

नए केंद्र का नेतृत्व सॉन्ग सी-योंग करेंगे। इसके तहत एक समर्पित डेटा फैक्ट्री भी स्थापित की जाएगी, जो रोबोट प्रशिक्षण के लिए उच्च गुणवत्ता का डेटा उपलब्ध कराएगी और एलजी के रोबोट फाउंडेशन मॉडल (आरएफएम) को मजबूत करेगी। सियोल स्थित यांगजे आरएंडडी कैंपस में बड़े पैमाने की डेटा फैक्ट्री इसी वर्ष शुरू होने की संभावना है।

एलजी औद्योगिक, वाणिज्यिक और घरेलू क्षेत्रों के लिए तीन-स्तरीय रोबोटिक्स रणनीति पर काम करेगा। कंपनी रोबोस्टार और बियर रोबोटिक्स की विशेषज्ञता का भी लाभ उठाएगी। एलजी ने 2026 को अपने रोबोटिक्स विस्तार का शुरुआती वर्ष घोषित करते हुए फिजिकल एआई आधारित समाधान प्रदाता बनने का लक्ष्य रखा है। कंपनी घरेलू स्तर पर रोबोटिक एक्चुएटर्स का उत्पादन भी शुरू करेगी।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख बना हुआ है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,45,080 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,44,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,32,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पश्चिम एशिया के तनाव से बिगड़ा ग्लोबल मार्केट का मूड, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव बढ़ जाने की वजह से ग्लोबल मार्केट का मूड बिगड़ा हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे थे, लेकिन डाउ जान्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर कमजोरी का रुख बना हुआ है।

अमेरिका में पिछले कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को सेमीकंडक्टर स्टाक्स में उछाल आने के कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे थे। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.29 प्रतिशत उछल कर 52,637.01 अंक के स्तर पर पहुंच गया था। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,575.39 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26,281.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 216.67 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 52,420.34 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,497.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,338.97 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, डीएएक्स इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,067.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। वहीं दो सूचकांक हरे निशान में बने हुए हैं। ताइवान वेटेड इंडेक्स 267.90 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ 45,622.51 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 5,925.97 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 219 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,015.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.28 प्रतिशत टूट कर 5,453.92 अंक के स्तर तक गिर गया है। कोस्पी इंडेक्स में जबरदस्त कमजोरी का रुख बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 556.83 अंक यानी 7.45 प्रतिशत लुढ़क कर 6,919.11 के स्तर पर आ गया है। टोक्यो एक्सचेंज में भी बिकवाली का चौतरफा दबाव बना हुआ है, जिसकी वजह से निक्केई इंडेक्स 1,542.73 अंक यानी 2.25 प्रतिशत गिर कर 67,015 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.54 प्रतिशत टूट कर 3,934.74 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 0.21 प्रतिशत फिसल कर 24,125 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.11 प्रतिशत लुढ़क कर 1,619.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।